शनिवार
19 नवम्बर 2022

पृष्ठ 4

ब्लैक टी से होता है ब्लड शुगर कंट्रोल

पृष्ठ 5

टाइगर 3 में नजर आ सकती हैं टीवी अभिनेत्री रिद्धि डोगरा

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 277
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

भय से ही दुःख आते हैं, भय से ही मृत्यु होती है और भय से ही बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं।
– विवेकानंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नहीं थम रहा है हादसों का सिलसिला

लापता 4 छात्रों के शव नदी से बरामद, कार हादसे में 5 मरे

विशेष संवाददाता

चमोली/रूद्रप्रयाग। उत्तराखंड में बीते कल से हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते कल जोशीमठ के जखोली मोटर मार्ग पर एक मैक्स वाहन के खाई में गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई थी वही चमोली के देवाल में बीते कल से लापता 4 छात्रों की शव नदी से मिलने के बाद क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। आज सुबह ही एक दुखद हादसे की खबर रूद्रप्रयाग से आई है जहां यमुनोत्री राजमार्ग पर एक कार के खाई में गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति को गंभीर चोटे आई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद उत्तरकाशी के यमुनोत्री हाइवे पर ब्रह्मखाल के समीप हुई वाहन दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना की मजिस्ट्रीयल जांच और मृतकों के परिजनों

❑मुख्यमंत्री ने दुर्घटना की मजिस्ट्रीयल जांच व मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की सहायता देने के दिए निर्देश

को 2-2 लाख रूपये की सहायता राशि देने के निर्देश दिये। उन्होंने दुर्घटना में घायल के निशुल्क उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये।

बीते कल शाम चमोली से चार युवकों के लापता होने की खबर आई थी जिनकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही थी। आज सुबह स्थानीय लोगों ने इन युवकों की लाश नदी में तैरते हुए देखी जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। लापता युवकों के शव देवाल की कोल नदी से बरामद हुए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने एसडीएम की मौजूदगी में सभी चार युवकों के शव नदी से निकाले गए जिनकी उम्र 18 से 22 वर्ष के बीच है। सभी चार युवक छात्र बताए गए हैं तथा पिथूड़ी गांव के रहने वाले हैं। यह छात्र कल से लापता थे। बताया जा रहा है कि यह छात्र कोल नदी में नहाने गए थे लेकिन सभी चारों छात्रों के शव जिस स्थान से बरामद हुए हैं वहां नदी में बहुत कम पानी है जिसके कारण इस बात का संदेह जताया जा रहा है कि इतने कम पानी में कोई डूबकर नहीं मर सकता है।

पुलिस ने सभी चारों छात्रों की शव बरामद कर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

पुलिस मुठभेड़ में फरार दूसरा बदमाश भी दबोचा, तमंचा व कारतूस बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मुठभेड़ के दौरान पुलिसकर्मियों पर फायर कर फरार हुए दूसरे बदमाश को भी पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा व कारतूस भी बरामद किया है। आरोपी का एक साथी 50 हजार के ईनामी बदमाश को पुलिस ने कल मुठभेड़ मे गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया था।

बता दें कि बीती सुबह लगभग साढ़े आठ बजे दो हथियारबंद बदमाश पुरानी नहर पटरी बहादराबाद में पुलिस कर्मियों पर फायर कर फरार हो गये थे। जिनमें से एक 50 हजार के ईनामी बदमाश देवराज को पुलिस ने मुठभेड़ में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया था। मौके से उसका साथी सिद्धार्थ चौहान पुत्र भान दास निवासी सिंघाडी थाना गुनाहा जिला मध्य प्रदेश मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया था। जिसकी पुलिस तलाश कर रही थी।

बताया जा रहा है कि पुलिस देर रात फरार हुए बदमाश सिद्धार्थ चौहान की गिरफ्तारी हेतु उसकी रानीपुर व बहदराबाद में तलाश कर रही थी। जिसे पुलिस ने रानीपुर क्षेत्र में गढ़मीरपुर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से एक तमंचा व कारतूस भी बरामद किया गया है।

विदित हो कि पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार हुए यह दोनो बदमाश देवराज व सिद्धार्थ चौहान बीती मई माह में भी पुलिसकर्मियों पर हमला कर फरार हो गये थे। जिसमें एक पुलिस कर्मी की आंख खराब हो गयी थी। बहरहाल पुलिस ने देर रात गिरफ्तार किये गये बदमाश सिद्धार्थ चौहान को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड के आरोपी से पूछताछ के दौरान थर्ड डिग्री का इस्तेमाल न करे पुलिसः कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के महरौली में श्रद्धा हत्याकांड के बाद पूरा देश दहशत में है। मृतका के पिता, दोस्त समेत तमाम लोग आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग कर रहे हैं। इस दौरान अदालत ने यह भी आदेश दिए हैं कि, आरोपी आफताब से पूछताछ के दौरान थर्ड डिग्री का इस्तेमाल ना किया जाए। दरअसल ऐसे मामलों में कई बार देखने में आया है कि पुलिस आरोपी से पूछताछ के दौरान थर्ड डिग्री का इस्तेमाल करती है। जिससे आरोपी को कई बार गंभीर चोटें आ जाती हैं और कई मामलों में तो मौत भी हो जाती है। इन सब स्थितियों से बचने के लिए साकेत कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को थर्ड डिग्री इस्तेमाल न करने की सलाह दी है।दिल्ली पुलिस भी अपराध से जुड़े सभी सबूत और तथ्यों को इकठ्ठा कर रही है, जिससे कोर्ट के सामने सुनवाई के दौरान कोई भी तथ्य छुट न जाए और मामले में आरोपी को फायदा हो सके। हालांकि आरोपी आफताब ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया है, लेकिन वह बार-बार अपना बयान बदल रहा है। कभी वह बता रहा है कि उसने श्रद्धा के 35 टुकड़े किये टॉप कभी कह रहा है कि उसने 15-20 टुकड़े ही किए हैं। पुलिस ने भी महरौली के जंगलों से हड्डियों के कुछ टुकड़े बरामद किये हैं लेकिन अभी इसकी पुष्टि होना बकाया है कि यह हड्डियां श्रद्धा की ही हैं। इसके लिए पुलिस उनकी डीएनए जांच करा रही है।

अटकाना, लटकाना और भटकाने का युग गयाः पीएम मोदी

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में आज पीएम मोदी ने पहले ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का उद्घाटन किया है। इस एयरपोर्ट को बनाने के लिए 2019 में नींव रखी गई थी जिसे बनाने में 645 करोड़ रुपए की लागत लगी है। यही नहीं यहां पर ईटानगर में 600 मेगावाट कामेंग हाइड्रो पावर स्टेशन को पीएम मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया है। इस दौरान उन्होंने यहां संबोधन भी किया और उनकी सरकार द्वारा किए गए कामों को भी बताया है।

अरुणाचल प्रदेश में पहले ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का उद्घाटन करते हुए पीएम मोदी ने उनकी सरकार द्वारा किए गए कामों की तारीफ की। इस पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, आप जानते हैं कि हम एक कार्य संस्कृति लेकर आए हैं,

जहां जिन परियोजनाओं का हमने शिलान्यास किया है, उनका उद्घाटन करते हैं। अटकाना, लटकाना, भटकाना का युग चला गया है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, जब मैंने 2019 में इसका शिलान्यास किया, तब चुनाव होने वाले थे। राजनीतिक टिप्पणीकारों ने शोर मचाया कि हवाई अड्डा नहीं बनने जा रहा है और आज इसका उद्घाटन हो रहा है। कल्चर हो या एग्रीकल्चर, कॉमर्स हो या कनेक्टिविटी, पूर्वोत्तर को आखिरी नहीं बल्कि सर्वोच्च प्राथमिकता मिलती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को डोनी पोलो हवाई अड्डे का उद्घाटन किया है। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर के पास होलोंगी स्थित हवाई अड्डा पूर्वोत्तर राज्य का पहला हवाई अड्डा होगा। यह हवाई अड्डा इस सीमावर्ती राज्य को वाणिज्यिक उड़ानों के जरिये देश के अन्य शहरों के साथ तथा अरुणाचल प्रदेश के अन्य हिस्सों को हेलीकॉप्टर सेवाओं के माध्यम से जोड़ेगा। अधिकारियों का अनुमान है कि यह क्षेत्र के करीब 20 लाख लोगों को सेवाएं मुहैया कराएगा और संपर्क, व्यापार तथा पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेगा। हवाई अड्डे की आधारशिला मोदी ने फरवरी 2019 को रखी थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

भाजपा का सत्ता संघर्ष

बात चाहे कांग्रेस की हो या फिर भाजपा की, सूबे के नेताओं की महत्वकांक्षाए राज्य हितों पर तो भारी पड़ती ही रही हैं साथ ही राजनीतिक दलों के लिए भी मुसीबत का सबब बनती रही हैं। राज्य गठन से लेकर अब तक के 22 साल के सफर में भले ही 5 निर्वाचित सरकारें बनी हो लेकिन 12 मुख्यमंत्री बनना इस बात का सबूत है कि सूबे के सभी नेताओं की महत्वकांक्षा का केंद्र सिर्फ और सिर्फ सीएम की कुर्सी ही रही है। इस कुर्सी के लिए राज्य की पहली अंतरिम सरकार गठन के समय से ही अविराम संघर्ष कारी रहा है। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 70 में से 57 सीटें जीत कर प्रचंड बहुमत का इतिहास रचा था इस सरकार का जब त्रिवेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में गठन हुआ तो माना जा रहा था कि यह सरकार और नेतृत्व पूरे 5 वर्ष तक कायम रहेगा। लेकिन सरकार के अंतिम कार्यकाल वर्ष में तीन-तीन मुख्यमंत्री बदले गए। जिस भी मुख्यमंत्री को सीएम की कुर्सी से हटाया गया उसका आक्रोश भी स्वाभाविक था क्योंकि इस कुर्सी पर पहुंचने वाले हर नेता की चाहत यही रही है कि अब इस पर वह सर्वकालिक सीएम बना रहे लेकिन पार्टी हाईकमान के आगे किसी की कोई विसात नहीं हो सकती थी, कुर्सी तो छोड़ दी लेकिन तिलमिलाहट हमेशा बनी रही। जो पार्टियों की आंतरिक कलह और गुटबाजी का कारण बनी रही। खास बात यह है कि चुनाव हार कर भी दोबारा मुख्यमंत्री बनने का मौका पुष्कर सिंह धामी को भाग्यवश मिला या फिर पूर्व मेजर जनरल बीसी खंडूरी को मिल सका था। बाकी अन्य किसी को न मिला है और न आगे मिल पाने की कोई उम्मीद दिखाई दे रही है। लेकिन नेताओं की दिवा इच्छाशक्ति और महत्वकांशाओं का क्या करें वह एक बार इस कुर्सी पर बैठे तो फिर इसका मोह जीवन भर नहीं छोड़ पाते हैं। अभी बीते दिनों पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और तीरथ सिंह रावत ने गैरसैंण और भ्रष्टाचार तथा कमीशन खोरी को लेकर अपनी पार्टी की सरकार पर कई सवाल उठाए थे। जिन्हें लेकर देहरादून से दिल्ली तक हड़कंप की स्थिति देखी गई। भाजपा के शीर्ष नेताओं के बीच यह चर्चा का सबसे अहम मुद्दा बन गया अभी यह आरोप-प्रत्यारोपों का मामला शांत भी नहीं हुआ था की धामी सरकार द्वारा पूर्व सीएम त्रिवेंद्र के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले को लेकर हाईकोर्ट द्वारा दिए गए सीबीआई जांच के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर एसएलपी को वापस लेने की बात सामने आ गई। अब त्रिवेंद्र रावत कैंप द्वारा सरकार की इस कार्रवाई को पूर्व सीएम त्रिवेंद्र पर बड़ा हमला मान रहा है। धामी भी एक मंझे हुए खिलाड़ी की तरह त्रिवेंद्र और तीरथ के द्वारा सरकार पर लगाए गये आरोपों को सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति ही बता कर यह कह रहे हैं कि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी चाहे कोई कितना भी बड़ा नेता या अधिकारी क्यों न हो बख्शा नहीं जाएगा। उनका यह बयान और एसएलपी वापस लेना त्रिवेंद्र को खुली चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा के अंदर चल रहा है यह शीतयुद्ध सही मायने में सत्ता का वह संघर्ष है जिसके कारण 22 साल में 12 मुख्यमंत्री बदले गए हैं। इसका परिणाम क्या होगा यह तो समय ही बताएगा लेकिन यह सच है कि भाजपा के अंदर कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है।

मोटरसाईकिल की चपेट में आकर महिला घायल

देहरादून (सं)। मोटरसाईकिल की चपेट में आकर महिला घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अधोईवाला निवासी अंकित गुसांई ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पत्नी विभूति जीएमएस रोड स्थित बैबी शौरूम में गयी थी। जब वह वहां से बाहर आयी तो एक मोटरसाईकिल चालक ने उसको टक्कर मार दी जिससे उसका पैर फैक्चर हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

इंदिरा जी की कमी आज भी खलती है: गौड़

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। आज पूर्व प्रधानमंत्री व आयरन लेडी के नाम से विख्यात विश्व विख्यात स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती पर भारी संख्या में क्षेत्र वासियों के साथ उन्हें उनकी प्रतिमा में पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया।

प्रदेश सचिव व महानगर सेवादल प्रभारी पियूष गौड़ ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि देश श्री मति इंदिरा गांधी जी को ऐसे ही आयरन लेडी नहीं कहती । बांग्लादेश बनाने का मुख्य काम उन्होंने किया । जिसका लोहा पूरा विश्व मानता है । देश में कभी भेदभाव की राजनीति को पनपने नहीं दिया । हमेशा गरीबी मिटाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया । भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि आज पूरा देश महंगाई, बेरोजगारी और बिगड़ती कानून व्यवस्था से परेशान है । यदि कोई वर्तमान सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है तो उसे जेल का डर दिखाकर चुप कराने का कार्य भाजपा द्वारा किया जा रहा है। अधिकारीगण मुख्यमंत्री की भी नहीं सुन रहे हैं । हाल ही में मुख्यमंत्री जी अपने व्यक्तय में कह रहे हैं । जिससे पता चलता है की उत्तराखंड सरकार पूरी फेल है और जनता भी भाजपा को पूर्ण बहुमत देकर पछता रही है।

इन्दिरा गांधी जी की जयंती कार्यक्रम में अंजू नाहर, शांति , छोटे लाल गौतम, सुदामा , पियूष गौड़ आदि मौजूद थे ।

राजकोट में 20 नवंबर तक आयोजित होगा 'लोड द बॉक्स बुक फेयर'

राजकोट। राजकोट के किताब प्रेमियों के लिए खुशी का कारण है, क्योंकि लोड द बॉक्स बुक फेयर महात्मा गांधी म्यूजियम, जुबली चौक, जवाहर रोड, लोहाना पारा में आयोजित होने जा रहा है। 17 नवंबर से 20 नवंबर तक किताब लवर्स के तत्वावधान में एक बुक फेयर स्टार्ट हुई प्रदर्शनी में रोमांस से लेकर फंतासी, नॉन-फिक्शन, अपराध और बच्चों तक विभिन्न शैलियों की दस लाख से अधिक पुस्तकें प्रदर्शित की जाएंगी। चार दिवसीय पुस्तक मेला प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक जनता के लिए खुला रहेगा।

किताब लवर्स के सह-संस्थापक हरप्रीत सिंह ने कहा, हम राजकोट में आकर वास्तव में उत्साहित हैं। किताब लवर्स में, हम लोगों की पढ़ने की आदतों को प्रोत्साहित करने और उनमें सुधार करने के मिशन पर हैं। हमारा मानना है कि हर किसी के पास सबसे सस्ती कीमतों पर सर्वोत्तम पुस्तकों तक पहुंच होनी चाहिए, और यह लोड द बॉक्स अवधारणा के पीछे मुख्य प्रेरक रहा है।

उन्होंने आगे कहा, हमने पुस्तक मेले में उपलब्ध पुस्तकों की श्रृंखला को सावधानीपूर्वक व्यवस्थित किया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वहां सभी के लिए कुछ न कुछ है। चाहे आप रोमांस उपन्यास या अपराध कथा या ऐतिहासिक उपन्यास, या यहां तक कि स्वयं सहायता किताबें पसंद करते हैं, हमारे पास हमारे मेले में यह सब उपलब्ध है। हमारे श्लोड द बॉक्सश अभियान के माध्यम से, हम भारत के पढ़ने के तरीके को बदलना चाहते हैं, एक समय में एक बुक बॉक्स; हम अधिक से अधिक युवाओं को अपने गैजेट्स से दूर समय बिताने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं और इसके बजाय खुद को उस ज्ञान के धन में डुबो देना चाहते हैं जो एक किताब पेश कर सकती है।

मेले में एक मुफ्त पढ़ने का क्षेत्र होगा और लेखकों की हस्ताक्षरित प्रतियां भी उपलब्ध होंगी। किताब लवर्स, एक स्टार्टअप जो नई और पूर्व स्वामित्व वाली पुस्तकों को किफायती मूल्य पर बेचने में विशेषज्ञता रखता है, एक अभिनव 'लोड द बॉक्स' अवधारणा पेश करता है, जिसमें आगंतुक एक बॉक्स के लिए एकमुश्त भुगतान कर सकते हैं और बॉक्स को जितनी हो सके उतनी किताबों से भर सकते हैं। जब तक यह फ्लैट बंद करने में सक्षम है तब तक पकड़ो। बॉक्स तीन अलग-अलग आकारों में उपलब्ध होंगे: मनी सेवर 1100 रुपये में (10-13 किताबों में फिट बैठता है); 1650 रुपये में वेल्थ बॉक्स (17-20 किताबों में फिट बैठता है); और ट्रेजर बॉक्स 2750 रुपये (30-33 किताबों में फिट बैठता है) पर। पुस्तक मेले में प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं और विजेताओं को मुफ्त बुक बॉक्स और डिस्काउंट वाउचर से पुरस्कृत किया जाएगा

भाई वीर सिंह की 150 वीं जयंती को समर्पित कविता प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता

देहरादून। पंजाबी और सिख साहित्य के प्रख्यात साहित्यकार डॉ. भाई वीर सिंह की 150वीं जयंती को समर्पित 'कविता प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसमें 14 विद्यालयों के 45 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। जिनको प्रमाण पत्र व पुस्तक भेट की गयी।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए डॉ. कुलविंदर सिंह ने बताया कि पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के उप कुलपति प्रो. अरविंद की सरपरस्ती में डॉ. बलबीर सिंह साहित्य केंद्र, देहरादून द्वारा पंजाबी और सिख साहित्य के प्रख्यात साहित्यकार डॉ. भाई वीर सिंह की 150वीं जयंती को समर्पित 'कविता प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देहरादून व ऋषिकेश के 14 विद्यालयों के 45 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि देहरादून से वेलम गर्ल्स स्कूल, दून इंटरनेशनल स्कूल, श्री गुरु नानक दून वेल स्कूल रेसकोर्स, श्री गुरु नानक पब्लिक गर्ल्स इंटर कॉलेज रेसकोर्स, गुरु नानक एकेडमी रायपुर, श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल प्रेमनगर, श्री गुरु नानक पब्लिक गर्ल्स इंटर कॉलेज प्रेमनगर, श्री गुरु नानक पब्लिक महिला इंटर कॉलेज खुरबरा, सनेहा दून एकेडमी, कैम्ब्रिज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, श्री गुरु नानक बाल इंटर कालेज चक्खूवाला और ऋषिकेश से एनडीएस, एनजीए, गुरमत संगीत बाल विद्यालय के 5वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि आयोजन के प्रारंभ में बलबीर सिंह साहित्य केंद्र के समन्वयक डॉ. परमवीर सिंह ने भाई वीर सिंह के जीवन के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए छात्रों को भाई वीर सिंह के शैक्षणिक

कार्यों और कविता से संबंधित जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भाई वीर सिंह जी की कविताओं को अपनी सुरीली आवाज और मनमोहक अंदाज में प्रस्तुत किया। भाग लेने वाले स्कूलों में श्री गुरु नानक महिला पब्लिक स्कूल खुडबुडा, वेल्लम गर्ल्स, दून इंटरनेशनल स्कूल, गुरु नानक एकेडमी रायपुर, श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल प्रेमनगर और एन.जी.ए. ऋषिकेश के स्कूल के विद्यार्थियों को पांच दिसंबर को भाई वीर सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर पंजाबी विश्वविद्यालय के उपकुलपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा पूर्व अध्यक्ष अल्पसंख्यक आयोग उत्तराखंड व सरदार दविंदर सिंह मान अध्यक्ष दून इंटरनेशनल स्कूल ने छात्रों को प्रमाण पत्र और भाई वीर सिंह की पुस्तक भेंट की। जज साहिबान की सेवाएं डॉ. दलजीत कौर और अंबर खरवंदा ने बहुत कुशलता से निभाई। यह कार्यक्रम गुरसिख एजुकेशन सोसाइटी के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें दविंदर सिंह बिंद्रा सहित सुसाइटी के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर सरदार दर्शन सिंह, सरदार अमरजीत सिंह भाटिया, प्रिंसिपल प्यारा सिंह और अलग अलग स्कूलों के पंजाबी अध्यापकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

तिस्रो वाचः प्र वद ज्योतिरग्रा या एतद्दुह्रे मधुदोघमूधः।
स वत्सं कृण्वन्गर्भमोषधीनां सद्यो जातो वृषभो रोरवीति॥

(ऋग्वेद ७-१०१-१)

जैसे मेघ गर्जता है, बिजली चमकती है और उसके बाद मधुर रूप रस रूपी जल बरसता है जो औषधियों को गर्भित करता है। जिससे सब का कल्याण होता है। उसी प्रकार ज्ञानप्रद, कर्मप्रद और उपासनाप्रद त्रिवाणियों से आनंद की वृष्टि होती है और इसी से परमेश्वर की प्राप्ति होती है।

Lightning flashes as the clouds roar, and after that, the sweet water juice flows, which makes the Aushadhiya conceived and done the good of all. In the same way, the trio Vani of knowledge, action, and worship rains bliss, and this leads to the attainment of God. (Rig Ved 7-101-1)

एक किलो चरस के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने एक किलो चरस के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने खादर रोड पर एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से आध ा किलो चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम नावेद खान पुत्र नसीर खान निवासी डाक्टर गंज बताया। वहीं विकासनगर कोतवाली पुलिस ने कैनाल रोड से दो लोगों को आधा किलो चरस के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अभिषेक कश्यप पुत्र वेद प्रकाश कश्यप निवासी अंबाडी, गजेन्द्र सिंह पुत्र राजपाल सिंह निवासी जीवनगढ बताया।

चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने तीन पानी पुलिया के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 130 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम कमलेश पनेरू पुत्र मोहन चंद निवासी रानी गली हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

नशीले कैप्सूल व गोलियों के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस न नशे के कैप्सूल व गोलियों के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने पुराने रेलवे स्टेशन के पास एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया पुलिस को देख वह मोटरसाईकिल को तेजी से चलाकर वहां से भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 504 नशे के कैप्सूल व 75 गोलियां बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम राजेश बेलवाल पुत्र रमेश चंद बेलवाल निवासी गुमानीवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

हरिद्वार के दो दिवसीय प्रवास पर रहेगें कृषि मंत्री

देहरादून। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी दो दिन के लिए हरिद्वार प्रवास जिला स्तरीय अधिकारियों से बैठक करेगे।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा मंत्रियों के प्रवास कार्यक्रम तय किये जाने के बाद प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास विभाग मंत्री गणेश जोशी 18 एवं 19 नवम्बर को जनपद हरिद्वार के प्रवास पर रहेंगे।मंत्री के जनसंपर्क अधिकारी मनोज जोशी द्वारा बताया कि मंत्री जोशी 18 नवम्बर को दोपहर 2 बजे देहरादून के हरिद्वार को प्रस्थान करेंगे और सायं 4 बजे भाजपा जिला कार्यालय जगजीतपुर हरिद्वार में पार्टी के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। वही, मंत्री जोशी पार्टी कार्यकर्ता सुरेन्द्र शर्मा एवं प्रमोद शर्मा के घर पर चाय पर चर्चा कार्यक्रम में भी सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि रात्रि विश्राम हरिद्वार में ही करने के बाद 19 नवम्बर को प्रातः 10 बजे से सीसीआर सभागार हरिद्वार में जनपद स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेंगे, तत्पश्चात् दोपहर 12 बजे हरिद्वार से देहरादून की ओर प्रस्थान करेंगे।

बंद मकान से जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बंजारावाला निवासी रविन्द्र परमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ है तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ है। चोर उसके घर से नगदी व जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कॉप 27 : कितनी चुनौती और किससे

अनिरुद्ध गौड़

विश्व में कहीं गर्मी अधिक पड़ रही है, तो कहीं बहुत अधिक सर्दी। कहीं इतनी वर्षा हो रही है कि कई देश बाढ़ से परेशान हैं।

सारे संसाधन बौने साबित हो रहे हैं, वहां पानी ही पानी है। पहाड़ों पर लैंड स्लाइडिंग के मामले आम हो रहे हैं। कहीं इलाके सुखे से ग्रस्त हैं। समुद्र का तल भी कहीं घट-बढ़ रहा है, तो कहीं मौसम में भारी उथल-पुथल से मौसम का तापमान ऊपर-नीचे हो रहा है। कोहरा और तूफान के मामले भी बेहद गंभीर हैं। जंगलों में आग लगना आम हो रहा है। वैश्विक स्तर पर इस तरह असामान्य हो रहे भूमंडलीय तापमान और मौसम में दीर्घकालीन बदलाव, वैश्विक चिंता के विषय बने हुए हैं।

इसी वैश्विक समस्या को लेकर मंथन के लिए संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक जलवायु परिवर्तन कॉन्फ्रेंस (कॉप 27) 6 से 18 नवम्बर के बीच मिस्र के शर्म अल-शेख शहर में हुआ। मिस्र में होने वाले संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में वैश्विक तापमान की बढ़त को 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम पर रोकने के लिए फंड जुटाने पर भी चर्चा होगी।

इतिहास के पन्नों में जाएं तो वैश्विक तापमान की बढ़ोतरी और मौसम के बदलावों को लेकर संयुक्त राष्ट्र में 1992 में चिंता की गई थी। पेरिस समझौते के जरिए जलवायु परिवर्तन और इसके नकारात्मक प्रभावों से निपटने को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा, सहयोग और समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया गया। विश्व भर में चिंता का विषय है कि बढ़ते वैश्विक तापमान और मौसम में अचानक परिवर्तन प्राकृतिक और मानवीय, दोनों गतिविधियों से प्रभावित हैं। माना गया है कि जीवन स्तर में बेहतरी की दौड़ में जीवाश्म ईंधन के अनियंत्रित प्रयोग और औद्योगीकरण का जलवायु परिवर्तन पर विशेष प्रभाव पड़ा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस समस्या में सबसे बड़ा योगदान विकसित देशों का है, जो वैश्विक तापमान को कम करने के लिए सीधे तौर पर न तो अपने जीवन स्तर को पर्यावरण के अनुकूल बदलने को तैयार हैं, और न ही विकासशील और गरीब देशों को खुलकर आर्थिक मदद देने के लिए ही सहमत दिखाई देते हैं।

एक आंकड़े पर गौर करें तो विकसित देशों की आबादी पूरे विश्व की करीब 17 प्रतिशत है, लेकिन कार्बन उत्सर्जन की बात करें तो विकसित देश कुल उत्सर्जन का 60 प्रतिशत तक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। वहीं भारत की आबादी पूरे विश्व की लगभग 17 प्रतिशत है, लेकिन भारत कुल वैश्विक उत्सर्जन का मात्र 4 से 5 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन करता है। कॉप26 में भारत ने इस आंकड़े को रख कर जलवायु परिवर्तन के प्रति वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिबद्धता रखी थी। कहा था कि इसके पीछे एक ही कारण है कि भारतीय जीवन शैली विकसित देशों की अपेक्षा पर्यावरण के प्रति अधिक अनुकूल है, और विकसित देशों के बराबर आबादी होने के बावजूद उनसे कम कार्बन उत्सर्जित करती है। हालांकि इस समस्या के सबसे अधिक जिम्मेदार विकसित देश हैं, फिर भी वे जलवायु परिवर्तन की समस्या का ठीकरा विकासशील देशों पर ही फोड़ते हैं।

वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन में सुधार के लिए विकासशील देशों के वित्त पोषण के लिए कॉप27 में गरीब और विकसित देशों की मदद के लिए इस बार 100 अरब डॉलर यानी करीब 82 खरब रुपये की राशि देने का संकल्प टूटने समेत कई अन्य जलवायु में सुधार लाने की योजनाओं के कार्यान्वयन के मुद्दे भी इसमें शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन पर कॉप27 में संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन कॉप26 के परिणामों को भी रखा जाएगा जो पिछले साल ब्रिटेन के ग्लासगो शहर में हुई थी।

जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए कॉप27 महासम्मेलन में महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर तो चर्चा हुई होगी ही, साथ ही यह भी देखा जाएगा कि ग्रीनहाउस गैसों उत्सर्जन को तत्काल कम करने के लिए अभी तक सभी देशों ने अपनी योजनाओं में कितना लक्ष्य प्राप्त किया और क्या रह गया है जैसे मुद्दों पर भी गंभीरता से मंथन होगा। संयुक्त राष्ट्र की एमीशन गैप रिपोर्ट-2022 को देखें तो ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए सभी देशों को एकजुट होकर 2030 तक वर्तमान ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 45 प्रतिशत की कटौती करने की जरूरत बताई गई है जबकि 2 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने को 30 प्रतिशत कटौती करने की आवश्यकता होगी।

गुजरात में आम आदमी पार्टी की कड़वी रेवड़ी

अजय दीक्षित

बड़े दम से कहा जा रहा है कि गुजरात के चुनाव में आप बड़ी संख्या में जीतकर अपनी सरकार बना रही है । उसमें जनमत से अपने आगामी मुख्यमंत्री का नाम भी घोषित कर दिया है । वह गुजरात कि पिछड़े वर्ग से आते हैं ।

अभी हाल में छः राज्यों की सात विधानसभा सीटों के लिए हुये चुनाव में आप ने उत्तर प्रदेश की एक सीट पर अपना उम्मीदवार उतारा था और वहां उसकी जमानत जब्त हो गई । असल में, पंजाब जीतने के बाद आम आदमी पार्टी की इच्छा और अभिलाषा बढ़ गई है, परन्तु गुजरात की स्थिति पंजाब से भिन्न है । गुजरात में पिछले 26 सालों से भाजपा ही सत्ता में हैं । अमित शाह और नरेन्द्र मोदी गुजरात से आते हैं । सरदार पटेल कांग्रेसी होने पर भी भाजपा के चहेते हैं क्योंकि एक तो वे गुजराती हैं दूसरे उनके सहारे नेहरू पर कटाक्ष किया जाना आसान है । महात्मा गांधी भी गुजराती है परन्तु उन पर सभी अपना दावा ठोकते हैं ।

असल में सूरत में हुए नगर पालिका चुनाव में 27 सीटें जीतने पर ही आम आदमी पार्टी का हौंसला बढ़ गया है यद्यपि वहां भाजपा ही कब्जे में है । एक आकलन के अनुसार आप और कांग्रेस को कुल वोटों का 20% से ज्यादा मिलने वाला नहीं है । यह सी.एस.डी.एस. की लोक नीति द्वारा किये गये सर्वे का परिणाम है । असल में एक आकलन के अनुसार आप कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगायेगी और भाजपा इससे अछूती रह जायेगी ।

यह बात तो सत्य है कि गुजरात में भाजपा में भी सभी कुछ ठीक नहीं है । तभी तो बीच सत्र में मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों को बदल दिया गया है । आप के पास कोई गुजराती विश्वसनीय चेहरा नहीं है । अरविन्द केजरीवाल या मनीष सिसोदिया गुजराती नहीं जानते । गुजरात की ग्रामीण जनता हिन्दी ठीक से समझती नहीं है । यदि इन दोनों नेताओं को गुजराती आती होती, तो बात कुछ और होती । फिर गुजराती अपनी अस्मिता में फ्री-बी को महत्त्व नहीं देते । वे कर्मठ होते हैं, कार्यशील होते हैं और अपने बल पर पैसा कमाना चाहते हैं । वे भिखारी नहीं है कि फ्री बिजली पर मर मिटे ।

आम आदमी पार्टी ने गुजरात के लिए विकास के लिए कोई मॉडल प्रस्तुत नहीं किया है । वे केवल अस्पताल और स्कूलों की बात करते हैं । यह सही है कि पूरे देश की तरह गुजरात में भी स्कूलों और अस्पतालों की हालत खराब है, पर यह चुनाव में एकमात्र मुद्दा नहीं बन सकता । गवर्नेंस का कोई मॉडल आप पार्टी ने प्रस्तुत नहीं किया है । पंजाब में कांग्रेस की अंतर्कलह के कारण वह वहां सरकार बना पायी फिर 2017 के चुनाव में आप पंजाब में प्रमुख विपक्षी दल था ।

लोकनीति के सर्वे के अनुसार गुजरात में पिछले पांच साल में भ्रष्टाचार 77% बढ़ा है । आम आदमी पार्टी यदि इसे मुद्दा बनाये तो वह मोरबी में हुए पुल हादसे को भुला सकती है । पर इसके लिए सही आंकड़े चाहिए । असल में, आम आदमी पार्टी के पास सेवक तो हैं पर कद्दावर नेता नहीं हैं । बहुत से समर्थवान आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ चुके हैं । प्रमुख हैं-योगेन्द्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इलमी आदि ।

असल में दिल्ली में आम आदमी पार्टी के खिलाफ भाजपा की जंग के दुष्परिणाम भी गुजरात में आप को भोगने पड़ेंगे । फिर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह बराबर गुजरात दौरे पर हैं ।

आम आदमी पार्टी अभी भी यदि अपना रास्ता बदल कर कांग्रेस से हाथ मिला ले तो शायद गुजरात में इस बार भाजपा हार जायेगी, परन्तु इसकी कोई संभावना नहीं है और कांग्रेस और आप में वर्तमान में 36 का आंकड़ा है । इसी से गुजरात में भाजपा का रास्ता साफ है । यदि गुजरात में आम आदमी पार्टी मुख्य विपक्ष में आ जाये तो बड़ी बात होगी ।

कर्नाटक में भी गुजरात फॉर्मूले की चर्चा

कर्नाटक में अगले साल मई में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। यह राज्य भाजपा के लिए बहुत अहम इसलिए है क्योंकि दक्षिण भारत का इकलौता राज्य है, जहां भाजपा की सरकार है। बाकी किसी राज्य में निकट भविष्य में भाजपा के अपने दम पर सत्ता में आने की संभावना नहीं दिख रही है। दूसरा कारण यह है कि कर्नाटक की 28 में से 25 लोकसभा सीटें भाजपा ने जीती हैं और पार्टी को हर हाल में अगले चुनाव में इसमें से अधिकतम सीटें बचानी हैं। तभी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के क्रम में हर फॉर्मूले पर चर्चा हो रही है, जिसमें से एक गुजरात फॉर्मूला भी है।

गुजरात फॉर्मूले का मतलब है कि एंटी इन्कंबैंसी कम करने या खत्म करने के लिए ऊपर से नीचे तक सबको बदल दो। भाजपा ने पिछले साल मुख्यमंत्री तो बदला लेकिन मंत्रियों को नहीं बदला गया। बीएस येदियुरप्पा सरकार के ज्यादातर मंत्री

बसवराज बोम्मई की सरकार में शामिल हो गए। इतना ही नहीं पार्टी के तमाम पुराने नेता, जो दशकों से विधायक या सांसद और मंत्री बनते रहे हैं वे सब भी अपनी जगह बने रहे। भाजपा आलाकमान ने 75 साल की उम्र सीमा पार कर चुके बीएस येदियुरप्पा को पार्टी की सर्वोच्च बॉडी संसदीय बोर्ड का सदस्य बनाया और राज्य की राजनीति में भी उनको पर्याप्त तरजीह दी जा रही है।

इस बीच गुजरात फॉर्मूले के तहत पुराने नेताओं की विदाई और ज्यादातर विधायकों व सांसदों की टिकट काटने की मांग शुरू हो गई है। येदियुरप्पा के करीबी रहे और हाल में राज्यसभा सांसद बने लहर सिंह सिरोया ने दो टूक शब्दों में कहा कि पुराने नेता रास्ता खाली करें ताकि नए नेताओं को मौका मिले। उन्होंने गुजरात में पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व उप मुख्यमंत्री, पूर्व मंत्रियों, पूर्व प्रदेश अध्यक्षों आदि के चुनाव लड़ने से मना करने का हवाला देते हुए पुराने नेताओं से रास्ता खाली करने को कहा। ध्यान रहे विजय रुपानी, नितिन पटेल, सौरभ पटेल, भूपेंद्र चूड़ासमा, आरसी फालदू जैसे बड़े नेताओं ने चुनाव लड़ने से मना किया तो उसकी हकीकत सबको पता है कि उनको ऐसा करने के लिए पार्टी की ओर से कहा गया।

कर्नाटक में उसी तरह की सर्जरी की चर्चा हो रही है। असल में कर्नाटक में भाजपा कई खेमों में बंटी है और दूसरी ओर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस में जान लौटी है। कांग्रेस ने कर्नाटक के मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष बनाया है। इससे मुकाबला कांटे हो गया है। कांग्रेस के मुकाबले भाजपा में मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई से लेकर संसदीय बोर्ड के सदस्य बीएस येदियुरप्पा, पूर्व मुख्यमंत्री सदानंद गौड़ा, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष केएस ईश्वरप्पा और सबसे ऊपर भाजपा के संगठन महामंत्री बीएल संतोष की अपनी अपनी राजनीति है, जिससे भाजपा को मुश्किल हो रही है। (आरएनएस)

अपने हित की बात

पश्चिमी देशों की रूस के कच्चे तेल की कीमत पर सीमा लगाने की योजना है। इसके तहत वे देश यह तय करेंगे कि रूसी तेल किस कीमत पर बिके। मगर भारत ने साफ किया है कि वह ये शर्त नहीं मानने जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए वहां जुटे नेताओं को उचित आगाह किया कि वे दूसरे देशों की ऊर्जा सुरक्षा को बाधित करने वाले कदम ना उठाएं। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से नहीं कहा कि वे ये बात किस संदर्भ में कह रहे हैं, लेकिन वहां मौजूद तमाम लोगों को इसका मतलब साफ समझ में आया। मोदी का इशारा पश्चिमी देशों की अगले पांच दिसंबर से रूस के कच्चे तेल की कीमत पर सीमा लगाने की योजना है। इसके तहत वे देश यह तय करेंगे कि रूसी तेल किस कीमत पर बिके। जो देश उस कीमत पर खरीदेंगे, उन्हें पश्चिमी प्रतिबंधों से छूट रहेगी। लेकिन जो देश रूस की तरफ से तय कीमत पर तेल खरीदेंगे, उन्हें प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा। मगर भारत पश्चिम की यह शर्त नहीं मानने जा रहा है, यह संकेत वह पहले भी दे चुका है। कुछ रोज पहले अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन दिल्ली आई थीं, तो उनकी टिप्पणी से साफ हुआ कि भारत ने उनके देश की ये शर्त दो टूक ठुकरा दी है।

लाचारी के भाव के साथ येलेन ने नई दिल्ली में कहा कि भारत जिस कीमत पर चाहे, वह तेल खरीद सकता है, लेकिन उसे पश्चिमी बीमा कंपनियों, मालवहन और अन्य सुविधाएं नहीं मिलेंगी। तो अब जो शिखर सम्मेलन खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के नाम पर हो रहा है, वहां मोदी ने दो टूक कहा है कि पश्चिमी देश ऊर्जा सुरक्षा को अपने नजरिए से देखने का तरीका छोड़ें। भारत की ऊर्जा सुरक्षा रूस से तेल खरीदने में है- वह पिछले नौ महीनों से यही कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। कहा जा सकता है कि जी-20 के विश्व मंच का उपयोग मोदी ने भारतीय हित को व्यक्त करने के लिए किया है। अमेरिका के नजरिए से विश्व व्यवस्था को देखने की भारी कीमत इस समय यूरोपीय देश चुका रहे हैं। हाल में उनमें भी इस बात का अहसास जगा दिखता है। वैसे मौके पर भारत जैसे अपने हित की उपेक्षा करें, यह कतई उचित नहीं है। इसलिए विकासशील देशों के अंदर प्रधानमंत्री के इस हस्तक्षेप का स्वागत किया जाएगा। (आरएनएस)

ब्लैक टी से होता है ब्लड शुगर कंट्रोल

ब्लैक टी के सेवन से हमारे शरीर में ग्लूकोज का लेवल ठीक रहता है। कुछ रिसर्च में यह बात भी सामने आई है कि ब्लैक टी में ब्लड शुगर कंट्रोल करने की खूबी होती है। नॉर्मल और डायबेटिक दोनों ही तरह के लोगों को ब्लैक टी का सेवन कराने पर उन दोनों ही ग्रुप के लोगों में ब्लैक टी ने बढ़ते हुए ब्लड ग्लूकोज लेवल को कम करने का काम किया।

क्या कहती है रिसर्च?

एक अध्ययन में पाया गया है कि ब्लैक टी एक शुगर ऐडेड ड्रिंक लेने के बाद भी हेल्दी और प्री-डायबेटिक दोनों लोगों में ब्लड शुगर के लेवल में वृद्धि को रोकती है। एशिया पेसेफिक जरनल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में पब्लिश हुई इस स्टडी में भी इस बारे में जानकारी दी गई। ब्लैक टी काफी प्रभावी तरीके से डायबिटीज को कंट्रोल करने में मददगार है।

ऐसे काम करती है ब्लैक टी

रिसर्च में सामने आया कि ब्लैक टी में मौजूद पैलिफेनॉल्स और ऐंटिऑक्सिडेंट्स टाइप-2 डायबिटीज के साथ ही कैंसर के खतरे को भी कम करते हैं। ब्लैक टी में फ्लोराइड की भी अच्छी मात्रा होती है। यह हमारी हड्डियों को मजबूत बनाने और शरीर को निरोगी रखने में मददगार है।

ब्लैक टी में होती हैं ये खूबियां

लैब में की गई रिसर्च में सामने आया है कि ब्लैक टी का अर्क कार्बोहाइड्रेट के अवशोषण को कम करके पोस्टप्रांडियल ब्लड ग्लूकोज घटाने में मदद करता है। लेकिन स्टीज से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि अभी ब्लैक टी के ग्लूकोज नियंत्रण और इससे होनेवाले लाभों पर और अधिक रिसच् किए जाने की जरूरत है।

ब्लैक टी पीने का सही तरीका

ब्लैक टी पीने का सही तरीका है कि आप इसमें शुगर ऐड ना करें और अगर बिना शुगर के आप इसका सेवन ना कर पाएं तो इसमें बहुत कम मात्रा में शुगर या शहद ऐड कर सकते हैं।

क्लॉटिंग का खतरा होता है कम

ब्लैक टी इंसुलिन सेंसेटिविटी में सुधार करती है। यह ब्लड शुगर कंट्रोल करने के साथ ही ब्लड को पतला रखने में मददगार है। इससे ब्लड क्लॉटिंग का खतरा कम होता है।

यहां की मिले सबसे कम पेशंट्स

रिसर्च में दुनिया के उन 50 देशों से डेटा कलेक्ट किया गया, जहां ब्लैक टी की खपत सबसे अधिक है। इनमें आयरलैंड, यूके, तुर्की और रशिया जैसे देश शामिल हैं। यहां लोगों में टाइप-2 डायबिटीज के केस सबसे कम देखने को मिले।

बदलते मौसम में बच्चों को ऐसे रखें सेहतमंद

मौसम बदल रहा है और बच्चों पर बदलते मौसम का असर सबसे पहले होता है। ऐसे में उनकी सेहत को लेकर सतर्कता बरतना बेहद जरूरी हो जाता है। ताकि हमारे नन्हे-मुन्ने बीमारी की चपेट से बचे रहें...

बच्चे होते हैं जल्दी प्रभावित आजकल सुबह और शाम के वक्त हल्की ठंड होने लगी है, इसका असर बड़ों पर कम होता है पर बच्चे जल्दी प्रभावित हो जाते हैं। लेकिन यह ठंड इतनी भी नहीं है कि बच्चों को फुल कपड़ों में लपेट दिया जाए। यह मौसम बीमार करनेवाला होता है। इस समय इम्यूनिटी बहुत कमजोर हो जाती है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों के खान-पान पर ध्यान दें और कुछ जरूरी टिप्स फॉलो करें।

बच्चों को आंवला और अदरक जैसी चीजें खिलाना बहुत मुश्किल काम है। लेकिन इन चीजों के सेवन से उनकी रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसलिए उनके बैग में एक पाउच बनाकर रखें, जिसमें आंवला और अदर कैंडी रखी हो। उनमें ये अच्छी आदते डालने के लिए आप खुद भी उनके सामने इनका सेवन करें। बच्चों को इन चीजों के फायदे के बारे में बताएं।

कुछ बच्चों को मीठा खाना बिल्कुल पसंद नहीं होता है। खासकर टीनेजर बच्चों को कैंडी खाने के लिए मनाना अपने आप में एक मुसीबत भरा काम है। ऐसे में आप उन्हें शहद मिला काढ़ा और हल्दी वाला दूध पीने की आदत डालें। ताकि बदलते मौसम में खासी-जुकाम-बुखार जैसी बीमारियों से वे बचे रहें। साथ ही किसी दूसरे बच्चे के कारण वे इंफेक्शन की चपेट में ना आएं। पहली बात तो यह कि बच्चा जब भी बाहर से घर आए उसे हाथ धोने की आदत डालें। कुछ भी खाने से पहले वह हाथ जरूर धोए। साथ ही रात के समय उसे च्यवनप्राश और दूध लेने की आदत डालें। ताकि सेहत और दिमाग दोनों का विकास हो।

शब्द सामर्थ्य -35

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

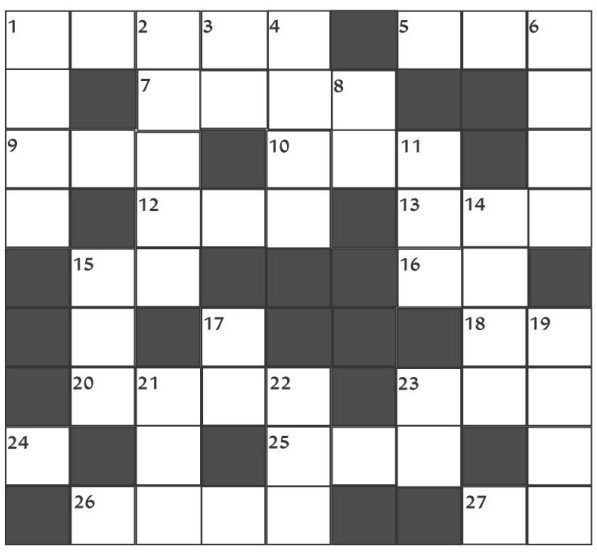

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 34 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म	■	■	स
ट	■	भ	ला	ई	■	अ	स	म
ना	म	■	■	स	मा	धि	■	झ
■	ज	■	बे	■	न	का	र	ना
बा	बू	■	आ	य	क	र	■	■
■	र	की	ब	■	■	■	प्र	था
ज	■	■	रू	प	क	■	ज	न
हा	■	पा	■	ना	म	ची	न	■
ज	हां	प	ना	ह	■	ता	न	ना

घर पर आसानी से तैयार किए जा सकते हैं ड्राई शैंपू, जानिए 5 तरीके

बालों को रोजाना धोने से उनमें रूखापन आने से लेकर कई समस्याएं आ जाती हैं और सर्दियों के दौरान तो ऐसा करना थोड़ा मुश्किल भी है। ऐसे में ड्राई शैंपू आपके बालों को तुरंत फ्रेशनेस देने समेत स्कैल्प से अतिरिक्त तेल को सोखने का काम कर सकता है। आइए आज हम आपको पांच तरह के ड्राई शैंपू बनाने के तरीके बताते हैं, जो बाजार में मिलने वाले ड्राई शैंपू से अधिक सुरक्षित और असरदार साबित हो सकते हैं।

एक्टिवेटेड चारकोल और कॉर्नस्टार्च का ड्राई शैंपू

अगर आपके बार गहरे भूरे या फिर काले रंग के हैं तो यह ड्राई शैंपू आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच एक्टिवेटेड चारकोल और दो बड़ी चम्मच कॉर्नस्टार्च डालें। अब इस मिश्रण में एक बड़ी चम्मच लैवेंडर का तेल डालें और अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाने के लिए मेकअप ब्रश का इस्तेमाल करें।

दालचीनी और कॉर्नस्टार्च का ड्राई शैंपू

लाल रंग के बालों पर इस ड्राई शैंपू का इस्तेमाल करना लाभदायक हो सकता है। यह सिर के ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करने और बालों को स्वस्थ और मजबूत करने में भी मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए एक कटोरी में दालचीनी के पाउडर और कॉर्नस्टार्च की बराबर मात्रा को लैवेंडर के तेल के साथ मिलाएं। इसके बाद मिश्रण को अपने पूरे सिर पर लगाएं और अतिरिक्त मिश्रण को मेकअप ब्रश से हटा दें।

अरारोट और कॉर्नस्टार्च का ड्राई शैंपू

अगर आपने अपने बाल सफेद, ब्लॉन्ड या फिर सिल्वर रंग के करवा रखे हैं तो उन पर अरारोट और कॉर्नस्टार्च से बने ड्राई शैंपू का इस्तेमाल करें। लाभ के लिए सबसे पहले एक कटोरी में अरारोट के पाउडर और कॉर्नस्टार्च की बराबर मात्रा को मिलाएं। फिर इसमें लेमनग्रास का तेल मिलाएं। अब मेकअप ब्रश की मदद से इस मिश्रण को अपने बालों पर लगाएं।

कोको पाउडर और कॉर्नस्टार्च का ड्राई शैंपू

हल्के भूरे रंग के बालों पर इस ड्राई शैंपू का इस्तेमाल करना अच्छा है और यह आपके बालों के विकास में भी मदद कर सकता है। ड्राई शैंपू बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच कोको पाउडर, दो बड़ी चम्मच कॉर्नस्टार्च और एक बड़ी चम्मच लेमनग्रास का तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने बालों पर लगाने के लिए मेकअप ब्रश या अपनी उंगलियों का उपयोग करें।

चावल के आटे और कॉर्नस्टार्च का ड्राई शैंपू

यह ड्राई शैंपू बालों को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने में मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच चावल का आटा, दो बड़ी चम्मच कॉर्नस्टार्च और एक बड़ी चम्मच पुदीने का तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने पूरे सिर में लगाने के लिए मेकअप ब्रश का उपयोग करें। (आरएनएस)

कार्तिक आर्यन की फ्रेडी 2 दिसंबर को डिज्नी+ हॉटस्टार पर आएगी

हाल में जानकारी सामने आई थी कि अभिनेता कार्तिक आर्यन की फिल्म फ्रेडी डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी। अब इस स्ट्रीमिंग कंपनी ने फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म 2 दिसंबर को सीधे हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली है। साथ ही मेकर्स ने एक टीजर भी शेयर किया है, जिसमें कार्तिक की झलक दिखी है। यह एक थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन शशांक घोष ने किया है।

अभिनेता कार्तिक ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का टीजर शेयर किया है। उन्होंने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, फिल्म फ्रेडी की दुनिया में आपका स्वागत है। अपॉइंटमेंट 2 दिसंबर, 2022 से शुरू होगा। उनके पोस्ट पर एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, बहुत दिलचस्प लग रहा है कार्तिक आर्यन। एक अन्य यूजर ने अपने कमेंट में लिखा, काफी उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा हूं।

फिल्म के टीजर में कार्तिक एक डेंटिस्ट डॉक्टर फ्रेडी गिनवाला की भूमिका में नजर आए हैं। उन्हें एक मासूम शख्स के रूप में दिखाया गया है, जो अपने पालतू कछुए के साथ खेलना पसंद करता है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब रात के अंधेरे में एक व्यक्ति लाश को झाड़ियों के पीछे छिपाते हुए दिखा। इसका टीजर सस्पेंस से भरा है और मेकर्स ने किरदारों पर अधिक रोशनी नहीं डाली है। इस फिल्म के जरिए कार्तिक एक अनदेखा अवतार में दर्शकों के बीच आएंगे। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

टाइगर 3 में नजर आ सकती हैं टीवी अभिनेत्री रिद्धि डोगरा

अभिनेता सलमान खान अपनी फिल्म टाइगर 3 को लेकर लोगों की जुबां पर है। यह फिल्म अगले साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यशराज फिल्म्स के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण किया गया है। अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी अहम जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स की मानें तो टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री रिद्धि डोगरा इस फिल्म में नजर आएंगी। वह अहम भूमिका में पर्दे पर दिख सकती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री रिद्धि टाइगर 3 का हिस्सा बन गई हैं। एक सूत्र ने कहा, फिल्म टाइगर 3 की स्टारकास्ट काफी दमदार है। सलमान-कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी के अलावा टाइगर 3 में अभिनेत्री रिद्धि डोगरा भी शामिल होंगी। उन्होंने बीते समय में टेलीविजन के साथ-साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी बेहतरीन काम किया है। फिलहाल रिद्धि के किरदार से जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

रिद्धि को हाल में वेब सीरीज असुर में देखा गया था। इसमें उनके साथ दिग्गज अभिनेता अरशद वारसी नजर आए थे। आखिरी बार वह द मैरिड वुमन में अभिनय करती हुई दिखी थीं। उन्होंने मर्यादा: लेकिन कब तक?, सावित्री, लागी तुझसे लगन और वो अपना सा जैसे शोज में काम किया है। टाइगर 3 उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म होगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि बड़े पर्दे पर इस अभिनेत्री की शुरुआत कैसी रहती है।

रिद्धि, बिग बॉस 15 फेम राकेश बापट की पूर्व पत्नी हैं। मर्यादा: लेकिन कब तक? में इन दोनों की मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों में प्रेम-प्रसंग शुरू हुआ। फिर 2011 में राकेश और रिद्धि ने सात फेरे लिए। हालांकि, यह शादी अधिक दिनों तक नहीं चली। करीब सात साल साथ रहने के बाद इन दोनों ने 2019 में अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए। इस कपल का अब तलाक हो चुका है।

टाइगर 3 में एक बार फिर सलमान और कैटरीना नजर आने वाले हैं। सलमान इस फिल्म में रॉ (रॉ) एजेंट अविनाश सिंह राठौर की भूमिका में दिखेंगे। वहीं, कैटरीना को फिल्म में फिर से जोया की भूमिका में देखा जाएगा। इन दोनों को 2019 में रिलीज हुई फिल्म भारत में भी एक साथ देखा गया था। इस फिल्म में इमरान हाशमी विलेन की भूमिका निभा रहे हैं। इसका निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है। टाइगर फ्रेंचाइजी की बात करें तो फिल्म एक था टाइगर इसका पहला भाग था, जो 2012 में कबीर खान के निर्देशन में रिलीज हुआ था। इसकी सीक्वल फिल्म टाइगर जिंदा है 2017 में रिलीज की गई थी। इसका निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया था। (आरएनएस)

कार्ती की 25वीं फिल्म का निर्देशन करेंगे राजू मुरुगन

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित सुपरहिट फिल्म जोकर बनाने के लिए जाने जाने वाले राजू मुरुगन, कार्ती की जापान का निर्देशन करेंगे, जो एक भव्य पूजा समारोह के साथ शुरू हुई।

राजू मुरुगन निर्देशक बनने से पहले पत्रकार थे। वो एस.आर. प्रकाश बाबू और एस.आर, प्रभु के साथ मिल कर काम करेंगे। कार्ती जापान के लिए छठी बार प्रोडक्शन हाउस ड्रीम वारियर पिक्चर्स के साथ फिर से जुड़ेंगे। यह कार्ती की 25वीं फिल्म है जिसने इस उद्यम को और भी खास बना दिया है।

इस फिल्म में अनु इमैनुएल को पहली बार कार्ती के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया है।

तेलुगु अभिनेता सुनील, जिन्होंने पिछले साल अल्लू अर्जुन की पुष्पा में मंगलम सीनू की भूमिका निभाई थी, वह जापान के माध्यम से अपने मुख्य पात्रों में से एक के रूप में तमिल में अपनी शुरुआत करेंगे।

तमिल फिल्म उद्योग में एक सिनेमैटोग्राफर के रूप में 25 वर्षों के अनुभव के साथ और गोली सोडा और कडुगु जैसी फिल्मों में एक निर्देशक के रूप में अपनी योग्यता साबित करने के बाद, विजय मिल्टन भी जापान से अपने अभिनय की शुरूआत करने वाले हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता जीवी प्रकाश कुमार फिल्म के लिए संगीत देंगे, जिसका संपादन फिलोमिन राज करेंगे। निर्देशक राजू मुरुगन व्यक्तिगत रूप से इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम संभाल रहे हैं। फिल्म का एक भव्य पूजा समारोह मंगलवार सुबह आयोजित किया गया था जिसमें कई हस्तियां शामिल हुईं और टीम की सफलता की कामना की। शूटिंग का पहला शेड्यूल जल्द ही शुरू होने वाला है।

एकता कपूर की फिल्म द क्रू में दिखेगी तब्बू, करीना और कृति की तिकड़ी

तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सैनन, ये तीनों अभिनेत्रियां जल्द ही पर्दे पर साथ नजर आएंगी। एकता कपूर और रिया कपूर दोनों मिलकर द क्रू नाम की एक फिल्म बना रही हैं, इसकी घोषणा भी हो गई है। फिल्म की अभिनेत्रियों और निर्माताओं ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह जानकारी दी है। इस शानदार कास्टिंग को देख प्रशंसक फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर कर रहे हैं। आइए जानते हैं फिल्म से जुड़ी क्या कुछ जानकारी मिली है।

फिल्म द क्रू का निर्देशक राजेश कृष्णन करने वाले हैं। इसकी शूटिंग फरवरी, 2023 में शुरू होगी। इसको लेकर करीना ने कहा, फिल्म वीरे दी वेडिंग में रिया के साथ काम करने में काफी मजा आया। जैसे ही वह मेरे पास फिल्म द क्रू की कहानी लेकर आईं, मैंने इसके लिए रजामंदी दे दी, क्योंकि मुझे यह काफी पसंद आई। उन्होंने कहा, फिल्म कॉमेडी ड्रामा से भरपूर होगी। मैं सचमुच तब्बू और कृति संग काम करने के लिए उत्साहित हूं।

तब्बू ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर कर लिखा, रिया और एकता कपूर की अगली फिल्म में करीना कपूर खान और कृति सैनन के साथ नए और अतरंगी सफर पर जाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। दूसरी तरफ कृति ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर कर लिखा, इन दोनों बेहतरीन अभिनेत्रियों के साथ काम करने के लिए बहुत उत्सुक हूं, जो मुझे हर दिन प्रेरित करती हैं। जानकारी के मुताबिक, इस फिल्म की कहानी लीक से हटकर होगी। बता दें कि रिया, एकता और करीना पहले भी साथ काम कर चुकी हैं। तीनों फिल्म वीरे दी वेडिंग के लिए साथ आए थे। शशांक घोष के निर्देशन में बनी इस फिल्म में चार महिलाओं की दोस्ती और मस्ती दिखाई गई थी। इसमें करीना के साथ स्वरा भास्कर, सोनम कपूर और शिखा तल्सानिया ने काम किया था। भले ही फिल्म की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही हो, लेकिन यह 2018 की पांचवी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी थी।

महिलाओं की दोस्ती पर फिल्में और सीरीज पहले भी बनी हैं। इस सूची में राधिका आप्टे, तनिष्ठा चटर्जी, सयानी गुप्ता और सुरवीन चावला अभिनीत फिल्म पार्च्ड शामिल है। फोर मोर शॉट्स प्लीज और एडल्टिंग जैसी सीरीज भी महिलाओं की दोस्ती को दिखाती हैं। करीना इन दिनों लंदन में अपनी आगामी फिल्म द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स की शूटिंग कर रही हैं। वह वीरे द वेडिंग 2 में भी नजर आने वाली हैं। तब्बू पिछली बार फिल्म भूल भुलैया 2 में दिखी थीं। वह अब फिल्म दृश्यम 2, खुफिया और भोला में दिखाई देंगी। दूसरी तरफ कृति को पिछली बार फिल्म बच्चन पांडे में देखा गया था। वह अब भेड़िया, गणपत, शहजादा और आदिपुरुष जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेरती दिखेंगी।

सिख मेहनत के बूते कनाडा में हिट

विवेक सक्सेना

अंग्रेज मुंह से भले ही कुछ न कहते हों मगर जिस संपत्ति के वे लोग मालिक हुआ करते थे आज उनके विशाल घरों व फार्म हाउस को सिख ही खरीद रहे हैं। वहां खालिस्तान का मुद्दा जोर पकड़ने पर सिखों के बीच टकराव बढ़ने लगा है। पहले 1971-81 के बीच बड़ी तादाद में जाटो के सिख बनने के बाद उनके गुरूद्वारा आने पर सिखों का उनके साथ टकराव हुआ। खालिस्तान मुद्दा जोर पकड़ने पर कट्टरपंथी सिखों का गुरूद्वारों पर कब्जा बढ़ने लगा तो वहां के कई स्थान स्थानों पर उदारवादी सिखों ने उनका जमकर विरोध किया।

कनाडा में सिखों की अहमियत इतनी ज्यादा है कि वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूरूडो की सरकार सिख नेतृत्व वाली राष्ट्रीय न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के सहयोग से चल रही है। कुछ साल पहले जगमीत सिंह को इसका अध्यक्ष चुना गया था। पेशे से वकील जगमीत सिंह पर आतंकवादियों के मुकदमे लड़ने के आरोप लगते रहे हैं। वहां की संसद में 1.4 फीसदी हिस्सा होने के बावजूद वहां की राजनीति में सिखों की एनडीपी पार्टी का अहम स्थान है। इसके गुरूद्वारों में चढ़ाए गए पैसों की बहुत अहमियत रहती है। गुरूद्वारे वाले वहां के सामाजिक कार्यक्रम जैसे खाना आदि बांटने में बहुत अहम भूमिका अदा करते हैं

जगमीत सिंह को बचपन में ही उसके मां-बाप ने बता दिया था कि इस देश में उनकी भाषा की इज्जत नहीं की जाती। वे लोग क्यूबेक में रहते थे जहां फ्रेंच बोली जाती थी। जगमीत सिंह को पंजाबी व अंग्रेजी बोलना ही आती थी। बचपन में उनका स्कूल में बहुत मखौल उड़ाते थे। उसने 13 साल की आयु में फ्रेंच सीखना शुरु की। उसका बचपन बहुत संघर्ष में बीता। बड़ा होने पर वह अपने परिवार की मदद के लिए छोटे-मोटे काम करने लगा। उसने कालिज में फीस बढ़ाए जाने का विरोध किया। पहले लोग कहते थे कि न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाएगी। वह पुलिस की मनमानी का विरोध करने के कारण युवा वर्ग में बहुत लोकप्रिय होता गया। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी का अध्यक्ष बनने के लिए उसने मई 2017 में ही अपना अभियान शुरु कर दिया। अक्तूबर में वह पहली बार किसी राष्ट्रीय दल का अध्यक्ष चुना जाने वाला पहला अल्पसंख्यक बना। वहां जो उम्मीदवार अपनी पार्टी के लिए सबसे ज्यादा चंदा इकट्ठा करता है वहीं अध्यक्ष चुना जाता है। अगले साल उनका गुरुकिरण से विवाह हो गया। उसने जस्टिस ट्रूरूडो की सरकार चलाने में मदद देनी शुरु कर दी।

इस पार्टी का गठन 1961 में हुआ था मगर यह पार्टी लोकसभा में कभी भी इतनी सीटें नहीं जीत पायी कि केंद्र में अपनी सरकार बना सके। वह 2011 से 2015 तक लोकसभा में प्रमुख विपक्षी दल व दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई। हालांकि उनका वहां कि अल्पमत सरकार पर काफी असर रहा। उसने वहां के 6 राज्यों में अपनी सरकारें बनाई। सन 2021 के लोकसभा चुनाव में वह 25 सीटें जीतकर वहां की चौथी सबसे बड़ी पार्टी बन गई व प्रगतिशील गठबंधन के सदस्य है। वे कनाडियन लेबर कांग्रेस का भी हिस्सा है।

कोविड-19 महामारी के दौरान एनडीपी ने सरकार पर दबाव डालकर यहां के लोगों की वित्तीय मदद करवाई व सहायता के तमाम अहम कदम उठाए। वहां की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर बनाने के लिए सरकार पर दबाव डालती आयी है। वहां की राजनीति में सिखों का नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी व लिबरल पार्टी पर काफी दबाव है। वहां के सिख काफी पैसे वाले हैं। उनका वेंकूवर, टोरंटो व कैलगरी के गुरूद्वारों पर काफी असर है। मौजूदा प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूरूडो को यहां तक पहुंचाने में उनका ही हाथ रहा है। पहले वहां के लोग पंजाब के हिंदू व सिखों को एक जैसा ही समझते थे मगर बाद में सिखों ने इस पर आपत्ति जताते हुए खुद को हिंदूओं से अलग बनवा दिया। सिख काफी मेहनती होते हैं। उन्होंने शुरु में खेतों में काम करने के साथ रेल लाइन बिछाने वाले मजदूरों के रुप में काम किया पर बहुत जल्दी ही उन्हें चीनी व जापानी मजदूरों की तुलना में कहीं ज्यादा पसंद किया जाने लगा। वे मेहनती होने के साथ साथ स्वामीभक्त भी होते थे। फौज में काम करने के कारण वे अंग्रेजों के काफी करीब आ चुके थे। कनाडा में कारों का ज्यादातर कारोबार सिखों के हाथों में ही है। उनके गुरूद्वारों द्वारा जरुरत पड़ने पर लोगों के खाने की सहायता करने व हर साल बड़ी तादाद में रक्तदान शिविर लगाने के कारण वहां की सरकार पर इनका काफी असर है। कनाडा में उन्होंने समाज के हर क्षेत्र में नाम कमाया है।

हरजोत ओबेराय, संदीप सिंह बराड़, शीना अलंगर वहां के जाने माने शिक्षाविद है। डॉ रंजन जाने माने रोग विशेषज्ञ हैं। बलजीत सिंह चड्ढा हरबंस सिंह दोमान, जसपाल अटवाल व भाटिया वहां के जाने माने उद्योगपति हैं व व्यापारी हैं। विकास खन्ना जाने माने शैफ रेस्तरा मालिक व मंजीत सिंह टीवी कलाकार व रूपूनी सिंह वहां मोम का म्यूजियम बना रही उद्योगपति हैं। एलेक्स साधा फिल्म निर्माता व हरमीत सिंह सामाजिक कार्यकर्ता है। व्यस्क फिल्म की अभिनेत्री सनी लियोनी कनाडा से ही हैं। वे भी सिख है।

यूटयूब की जानी मानी हस्तियों, जस रेन, कंवर सिंह व पंजाब फिल्मों की अभिनेत्री नीरू बाजवा व तरूणपाल भी यहीं से है। उपन्यास लेखक गुरूजिंदर, रानी धारीवाल व कामेडियन लिलीसिंह भी जाने माने कलाकार है। फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में वेंकूवर में अपना घर खरीदा है। इसके अलावा कनाडा की संसद व विधानसभा में भी सिख सदस्य है। हरजीत सिंह सज्जन तो वहां के रक्षा मंत्री तक रह चुके हैं। खेलों के क्षेत्रों में वहां के खिलाड़ियों का अहम स्थान है। इनमें नवराज सिंह बस्सी से लेकर खैरासिंह भुल्लर आदि शामिल है। अंग्रेज मुंह से भले ही कुछ न कहते हों मगर जिस संपत्ति के वे लोग मालिक हुआ करते थे आज उनके विशाल घरों व फार्म हाउस को सिख ही खरीद रहे हैं। वहां खालिस्तान का मुद्दा जोर पकड़ने पर सिखों के बीच टकराव बढ़ने लगा है। पहले 1971-81 के बीच बड़ी तादाद में जाटो के सिख बनने के बाद उनके गुरूद्वारा आने पर सिखों का उनके साथ टकराव हुआ। खालिस्तान मुद्दा जोर पकड़ने पर कट्टरपंथी सिखों का गुरूद्वारों पर कब्जा बढ़ने लगा तो वहां के कई स्थान स्थानों पर उदारवादी सिखों ने उनका जमकर विरोध किया। जब एक दलित गुरूद्वारा बनाया गया तो संत रविदास के नाम पर बनाए गए इस गुरूद्वारे के प्रबधकों में कुछ जाट सिखों के शामिल होने का प्रबंध समिति ने विरोध किया। वे लोग इसे मानवाधिकार आयोग में भी ले गए मगर उन्होंने इसे अल्पसंख्यकों का मामला होने की दलील देते हुए उन लोगों की अपील ठुकरा दी।

सू- दोकू क्र.35

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 34 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

सब के लिए एक-जैसा कानून कैसे ?

वेद प्रताप वैदिक

भाजपा राज्यों की सरकारें एक के बाद एक घोषणा कर रही हैं कि वे समान आचार संहिता अपने-अपने राज्यों में लागू करने वाली हैं। यह घोषणा उत्तराखंड, हिमाचल और गुजरात की सरकारों ने की हैं। अन्य राज्यों की भाजपा सरकारें भी ऐसी घोषणाएं कर सकती हैं लेकिन वहां अभी चुनाव नहीं हो रहे हैं। जहां-जहां चुनाव होते हैं, वहां-वहां इस तरह की घोषणाएं कर दी जाती हैं। क्यों कर दी जाती हैं? क्योंकि हिंदुओं के थोक वोट कबाड़ने में आसानी हो जाती है और मुसलमान औरतों को भी कहा जाता है कि तुम्हें डेढ़ हजार साल पुराने अरबी कानूनों से हम मुक्ति दिला देंगे।

यह बात सुनने में तो बहुत अच्छी लगती है और इतनी तर्कसंगत भी लगती है कि कोई पार्टी या नेता इसका विरोध नहीं कर पाता। हाँ, कुछ कट्टर धर्मध्वजी लोग इसका विरोध जरूर करते हैं, क्योंकि उनकी मान्यता है कि यह उनके धार्मिक कानून-कायदों का उल्लंघन है। यों भी संविधान सभा में सबके लिए समान कानून की धारणा को व्यापक समर्थन मिला था लेकिन क्या वजह है कि आजादी को आए 75 साल बीत रहे हैं और देश में हर तरह की सरकारें बन चुकी हैं, फिर भी किसी सरकार की आज तक हिम्मत नहीं हुई कि वह देश के सभी नागरिकों के लिए व्यक्तिगत और पारिवारिक मामलों में एक तरह का कानून बना सके? संविधान की धारा 44 में कहा गया है कि राज्य की कोशिश होगी कि सारे देश के नागरिकों के लिए एक-जैसा कानून बने। इसके बावजूद सबके लिए एक-जैसा कानून इसलिए नहीं बना कि भारत विभिन्न धर्मों, संप्रदायों, जातियों, कबीलों और परंपराओं का देश है। सारे हिंदू, सारे मुसलमान, सारे आदिवासी, सारे ईसाई भी शादी-विवाह और निजी संपत्ति के मामलों में अपनी-अपनी अलग-अलग परंपराओं को मानते हैं। जब एक तबके में ही एका नहीं है तो सब तबकों के लिए एक-जैसा कानून कैसे बन सकता है? जैसे आंध्र के हिंदुओं में मामा-भानजी के बीच शादी हो जाती है और जम्मू-कश्मीर के मुसलमानों पर शरीयत-कानून लागू नहीं होता। गोआ का अपना कानून है। वह सबके लिए एक जैसा है। हर सरकार दुविधा में पड़ी रहती है कि समान आचार संहिता लागू करें या न करें। भाजपा के लिए तो यह बड़ा सिरदर्द है, क्योंकि यह उसका मूलभूत चुनावी मुद्दा रहा है। भाजपा सरकार ने 2016 में विधि आयोग से भी इस मुद्दे पर राय मांगी थी। लेकिन उसकी राय भी यही है कि बिल्कुल एक-जैसा कानून सब पर नहीं थोपा जा सकता है लेकिन कई निजी कानूनों में काफी सुधार किया जा सकता है ताकि लोगों को सम्मानपूर्ण जीवन का अधिकार मिल सके और भारत के लोग अपनी सांप्रदायिक परंपराओं के अत्याचारों से मुक्त हो सकें।

जनजातीय जीवन शैली का अभिन्न अंग है नृत्य-संगीत

लक्ष्मीनारायण पयोधि

मध्यप्रदेश के इन्द्रधनुषी जनजातीय संसार में जीवन अपनी सहज निश्छलता के साथ आदिम मुस्कान बिखेरता हुआ पहाड़ी झरने की तरह गतिमान है। मध्यप्रदेश सघन वनों से आच्छादित एक ऐसा प्रदेश है, जहाँ विन्ध्याचल, सतपुड़ा और अन्य पर्वत-श्रेणियों के उन्नत मस्तकों का गौरव-गान करती हवाएँ और उनकी उपत्यकाओं में अपने कल-कल निनाद से आनंदित करती नर्मदा, ताप्ती, तवा, पुनासा, बेतवा, चंबल, दूधी आदि नदियों की वेगवाही रजत-धवल धाराएँ मानो,वसुंधरा के हरे पृष्ठों पर अंकित पारंपरिक गीतों की मधुर पंक्तियाँ।

ढोल, माँदर, गुदुम, टिमकी, डहकी, माटी माँदर, थाली, घंटी, कुंडी, ठिसकी, चुटकुलों की ताल पर जब बाँसुरी, फेफरिया और शहनाई की स्वर-लहरियों के साथ भील, गोण्ड, कोल, कोरकू, बैगा, सहरिया, भारिया आदि जनजातीय युवक-युवतियों की तरह विन्ध्य-शिखर थिरक उठते हैं तो पचमढ़ी की कमर में करधौनी की भाँति लिपट कर सतपुड़ा झूमने लगता है और भेड़ाघाट में अपने धुआँधार हर्ष राग से दिशाओं को आनंदित करता नर्मदा का जल-प्रपात। जनजातियों का नृत्य-संगीत प्रकृति की इन्हीं लीला-मुद्राओं का तो अनुकरण है। जनजातीय समुदाय प्रायः प्रकृति सान्निध्य में रहते हैं। इसलिये निसर्ग की लय, ताल और राग-विराग उनके शरीर में रक्त के साथ संचरित होते हैं। वृक्षों का झूमना और कीट-पतंगों का स्वाभाविक नर्तन जनजातियों को नृत्य के लिये प्रेरित करते हैं। हवा की सरसराहट, मेघों का गर्जन, बिजली की कौंध, वर्षा की साँगीतिक टिप-टिप,पक्षियों की लयबद्ध उड़ान ये सब नृत्य-संगीत के उत्प्रेरक तत्व हैं।

नृत्य मन के उल्लास की अभिव्यक्ति का सहज और प्रभावी माध्यम है। संगीत सुख-दुख यानी राग-विराग को लय और ताल के साथ प्रकट करता है। कहा जा सकता है कि नृत्य और संगीत मनुष्य की सबसे कोमल अनुभूतियों की कलात्मक प्रस्तुति हैं। जनजातियों के देवार्चन के रूप में आस्था की परम अभिव्यक्ति के प्रतीक भी। नृत्य-संगीत जनजातीय जीवन-शैली का अभिन्न अंग है। यह दिन भर के श्रम की थकान को आनंद में संतरित करने का उनका एक नियमित विधान भी है।

जबलपुर, कटनी, मंडला, डिण्डौरी, पुष्पराजगढ़, उमरिया, शहडोल, सीधी, सिवनी, बालाघाट, छिन्दवाड़ा, बैतूल, रायसेन आदि ज़िलों में गोण्ड जनजाति समूह में करमा, सैला, भड़ौनी, बिरहा, कहरवा, ददरिया, सुआ आदि नृत्य-शैलियाँ प्रचलित हैं। गोण्ड समुदाय के %सजनी% गीत-नृत्य की भाव-मुद्राएँ चमत्कृत करती हैं। इनका दीवाली नृत्य भी अनूठा होता है। माँदर, टिमकी, गुदुम, नगाड़ा, ठिसकी, चुटकी, झांझ, मंजीरा, खड़ताल, सींगबाजा, बाँसुरी, अलगोझा, शहनाई, तमूरा, बाना, चिकारा, किंदरी आदि इस समुदाय के प्रिय वाद्य हैं।

बैगा माटी माँदर और नगाड़े के साथ करमा, झरपट और ढोल के साथ दशेहरा नृत्य करते हैं। विवाह के अवसर पर ये बिलमा नृत्य कराते हैं। बारात के स्वागत में किया जाने वाला परघौनी नृत्य आकर्षक होता है। छेरता नृत्य नाटिका में मुखौटों का अनूठा प्रयोग होता है। इनकी नृत्यभूषा और आभूषण भी विशेष होते हैं।

मेडिकल कॉलेज के प्रयासों पर किशोर ने सीएम का आभार जताया

विशेष संवाददाता

नई टिहरी। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का टिहरी क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज की स्थापना करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए उनका आभार जताया है।

किशोर उपाध्याय ने कहा है कि टिहरी विधानसभा क्षेत्र में सड़क-बिजली-पानी और शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए उनके द्वारा अपने कार्यकाल में किए गए

प्रयासों के बीच आपने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को मेडिकल कॉलेज के लिए भूमि तलाशने के जो निर्देश दिए हैं उससे क्षेत्रीय बच्चों को डॉक्टर बनने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि आपने जिस तरह से कोदा-झंगोरा खाकर डायड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज से जिस तरह क्षेत्र के बच्चों को इंजीनियर बनने का मौका दिया ठीक वैसे ही मेडिकल कॉलेज बनने से क्षेत्र के बच्चों को डॉक्टरी की पढ़ाई कर डॉक्टर बनने का मौका मिलेगा उन्होंने कहा है कि कोलधार, कांण्डा, फागरकोट, केमसारी व नवाकोट तथा गौसारी क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा इसके लिए जमीन उपलब्ध कराने में अधिक रूचि दिखाई है। उन्होंने कहा है कि अगर टिहरी विधानसभा क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज बनता है तो यह एक आदर्श और विकसित विधानसभा क्षेत्र बन सकेगा।

महाकाल के भक्त कल करेंगे रक्तदान शिविर का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। महाकाल के भक्त सामाजिक संस्था द्वारा कल रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा।

आज यहां संस्था के अध्यक्ष अंकुर जैन ने बताया महाकाल के भक्त सामाजिक संस्था द्वारा ब्लड बैंकों में रक्त की भारी कमी को देखते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन 20 नवंबर को श्री शिरडी साई सेवा धाम, तिलक रोड देहरादून पर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संस्था समय समय पर अपने रचनात्मक कार्यकर्मो के द्वारा सामाजिक सेवा कर रही हैं और इस समय बुखार,डेंगू जैसी घातक बीमारी,बुखार की वजह से रक्त की भारी कमी को देखते हुए रक्तदान शिविर के आयोजन की जरूरत पड़ी। कार्यकारी अध्यक्ष दीपक जेठी ने बताया कि संस्था अपने रक्तवीरो की सेवा द्वारा आमजन को रक्त,प्लेटलेट्स,प्लाजमा,निशुल्क उपलब्ध कराती हैं रोजाना 6 से 7 यूनिट रक्त की पूर्ति कर किसी की जान बचाने के लिए तैयार रहती हैं। श्री महंत इन्द्रेश ब्लड बैंक की टीम को यह रक्त संचय किया जाता हैं जो समय समय पर जरूरतमंदों किसी अनजान की जान बचाने के काम आता हैं। संस्था के लगभग 25 सदस्य लगातार रक्तवीरो,आमजन से संपर्क कर उनको रक्तदान हेतु प्रेरित कर रहे हैं। रक्तदान करना एक बहुत पुण्य का काम हैं और रक्तदान करने से किसि प्रकार की कोई हानि नही हैं संस्था की अन्य सामाजिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों से भी सहयोग मिल रहा हैं संस्था के के०एम अग्रवाल,नवेन्दु चौहान,गीता साहनी,गौरव तोमर,पुनीत मेहरा,सचिन जैन,सनी सेठी,कार्तिक बंसल,अरुण मारवाह,अजय गुजराल, पुनीत मेहरा,विनीत नागपाल,डॉ नितिन अग्रवाल,अनित बेरी,प्रशांत जैन,आलोक अग्रवाल, डॉ बलदेव वर्मा, दीपशिखा,आशीष राजपूत,जीतू खत्री,नवेन्दु चौहान,कैम्प सुबह 9 बजे से शुरू होगा।

लापता 4 छात्रों के शव नदी से बरामद..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

लिए भेज दिए हैं। पुलिस छात्रों की मौत का कारण तलाशने में जुटी हुई है। उधर यमुनोत्री राजमार्ग पर आज सुबह एक वैगनार कार ब्रह्मखाल के पास हादसे का शिकार हो गई कार में 6 लोग सवार थे जिनमें से पांच लोगों की दुर्घटना स्थल पर मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। समाचार लिखे जाने तक स्थानीय पुलिस प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू में जुटी थी। खाई से मृत अवस्था में निकाली गई महिला की पहचान हो चुकी है जो पुरोला की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार यह कार धरासू से पुरोला की ओर जा रही थी जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि कार में सवार सभी लोग पुरोला के निवासी हो सकते हैं।

डीएम ने लगायी ई-चौपाल, समस्याओं का मौके पर निस्तारण के दिए निर्देश

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने ई-चौपाल का शुभारम्भ कर अधिकारियों से समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण करने के निर्देश दिये तथा सोमवार को ई-चौपाल की समस्याओं के निस्तारण किये जाने की प्रगति की समीक्षा की जायेगी।

आज यहां दूरस्थ क्षेत्र के लोगों की जनसमस्याओं का निस्तारण करने हेतु मुख्यमंत्री उत्तराखंड सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जिलाधि कारी श्रीमती सोनिका ने कार्रवाई करते हुए, जनपद में ई चौपाल का शुभारंभ किया है। जिसके तहत त्यूणी में आयोजित ई- चौपाल को जिलाधिकारी के निर्देशन पर बृहद रूप दिया गया। ई-चौपाल में जनसुनवाई के साथ-साथ विभागों की स्थापित स्टॉल के माध्यम से संबंधित अधिकारी अपनी योजनाओं की जानकारी एवं अन्य सुविधा भी मुहैया करा रही है। जनपद देहरादून के दूरस्थ तहसील त्यूनी में ई- चौपाल कम बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

जिलाधिकारी कैंप कार्यालय देहरादून वर्चुअल के माध्यम से जुड़े हैं जबकि त्यूनी में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान एवं जनपद स्तरीय अधि कारियों के साथ मौके पर शिकायतें सुनते हुए, वर्चुअल के माध्यम से जिलाधि कारी श्रीमती सोनिका के संज्ञान में लाते हुए मौके पर निस्तारण कर रहीं हैं। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका जनपद मुख्यालय से ई-चौपाल के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को उनके विभाग से संबंधित शिकायतों/ समस्या को मौके पर ही निस्तारित के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दे रहीं हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए की ई-चौपाल में प्राप्त हो रही शिकायतों का मौके पर निस्तारण करें तथा जिन शिकायतों के निस्तारण में समय लग रहा है निर्धारित समय - सीमा में निस्तारण करें।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ई-चौपाल में प्राप्त हो रही शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा सोमवार को जनसुनवाई के दौरान की जाएगी।

पांच जुआरी गिरफ्तार, सवा लाख नगद बरामद

देहरादून (सं)। पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक लाख 39 हजार रूपये नगद बरामद कर लिये। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि अमन होटल वाली गली में कुछ लोग ताश के पत्तों से हारजीत की बाजी लगा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां से पांच लोगों को जुआ खेलते हुए पकड लिया। जिनके कब्जे से पुलिस ने एक लाख 39 हजार रूपये नगद व ताश के पत्ते बरादम कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम राज सिंह सेठी पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी धामावाला, आनंद अरोडा पुत्र दीपक अरोडा निवासी डांडीपुर मौहल्ला, जगदीप चढडा पुत्र परवेश चढडा निवासी सेवक आश्रम रोड, श्याम पुत्र केशव राज निवासी पीपल मण्डी, हर्ष पुत्र राजू निवासी खुडबुडा मौहल्ला बताया।

कमरे से चार मोबाइल व पर्स चोरी

देहरादून (सं)।। कमरे से चार मोबाइल व दो पर्स चोरी होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार तपोवन निवासी अंकित सिंह ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने कमरे से बगल के रेस्टोरेट में गया था लेकिन जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके कमरे से चार मोबाइल फोन व दो पर्स गायब थे।

समिति ने किया प्रथम महिला प्रधनमंत्री इन्दिरा गांधी को याद

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने प्रथम महिला प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की जयंती पर उनके प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनको याद किया।

आज यहां देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर नेताजी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने इंदिरा मार्केट में लगी इंदिरा गांधी की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने बताया कि समिति का उद्देश्य उन महान लोगों को याद करना भी है जिन्होंने देश की आजादी और देश के हित के लिए कार्य किया। उन्होंने आगे कहा कि इंदिरा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके द्वारा बनाए गए 20 सूत्री कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाएं और देश के उत्थान की सोचें। इस मौके पर प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी, राजकुमार बत्रा अरुण खरबंदा, प्रदीप कुकरेती, परवीन शर्मा, विपुल नौटियाल आदि अनेकों लोग उपस्थित रहे।

'पाकिस्तान जिंदाबाद' नारा लगाने के आरोप में दो छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलुरु । बेंगलुरु में एक कॉलेज के कार्यक्रम में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाने के आरोप में दो छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के आधार पर यह मामला दर्ज किया गया। हाल में यहां एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के कार्यक्रम के दौरान एक छात्र और एक छात्रा ने कथित तौर पर पाकिस्तान के समर्थन में नारा लगाया, जिसका अन्य छात्रों ने तुरंत विरोध किया। एक अन्य छात्र ने वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। वीडियो वायरल हो गया और कॉलेज ने एक जांच की, दोनों से माफी पत्र लिए और उन्हें निलंबित कर दिया। पुलिस ने बताया कि छात्रों से इस मामले में पूछताछ की गई। ऐसा बताया जा रहा है कि छात्रों ने कहा कि उन्होंने केवल मनोरंजन के लिएश्श ऐसा किया था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आने वाले 25 और 26 नवंबर को कॉलेज में इंटर कॉलेज फेस्ट है। फेस्ट के लिए अभ्यास कर रहे छात्र, मौज-मस्ती के लिए तरह-तरह के नारे लगा रहे थे। कुछ छात्रों ने आरसीबी जिंदाबाद, मुंबई इंडियन जिंदाबाद के नारे लगाए, कुछ छात्रों ने कई अन्य देशों का नाम लिया और जिंदाबाद के नारे लगाए। इस बीच इन 2 छात्रों ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। वहीं एक अन्य छात्र ने इसे रिकॉर्ड कर लिया और इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। वीडियो वायरल हो गया और कॉलेज ने इस बारे में छात्रों से पूछताछ की।

कृपया हॉर्न बजाकर ध्वनि प्रदूषण न फैलायें

एक नजर

सत्येंद्र जैन का जेल में मसाज कराते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

नयी दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में जेल में बंद दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन के मसाज वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं जिनमें वह तिहाड़ जेल में शरीर और पैरों की मालिश कराते दिख रहे हैं। वीडियो में जैन कुछ दस्तावेज पढ़ते देखे जा सकते हैं जबकि सफेद टी-शर्ट पहने व्यक्ति उनके पैरों की मालिश कर रहा है। वीडियो साझा कर विपक्षी दल भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। वीडियो साझा कर कई सवाल किए।

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आप नेता सत्येंद्र जैन के मसाज मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बात-चीत में कहा की सत्येंद्र जैन पिछले 6 महीने से जेल में हैं। इस दौरान वह जेल में गिर गए थे जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई थी और उनकी सर्जरी हुई थी। मनीष सिसोदिया ने अस्पताल के कुछ कागजात दिखाए और दावा किया कि डॉक्टरों ने सत्येंद्र जैन को लिखा है कि उन्हें फिजियोथेरेपी की जरूरत है, जिसके चलते वह मसाज करवा रहे हैं। मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर हमला जरते हुए कहा की, भाजपा ओछे हथकंडे अपना रही है क्योंकि वह गुजरात विधानसभा और दिल्ली एमसीडी चुनाव हारने वाली है। दिल्ली कारागार विभाग आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के अधीन आता है।

इस सप्ताह की शुरुआत में, तिहाड़ जेल के अधीक्षक को जेल में जैन को विशेष सुविधा प्रदान करने में कथित संलिप्तता को लेकर निलंबित कर दिया गया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यहां की एक अदालत में दावा किया था कि जैन को तिहाड़ जेल के अंदर विशेष सुविधा प्रदान की जा रही है।

चुनाव हारने वाले सरपंच प्रत्याशी को मिले 2 करोड़ रुपए व एक स्कॉर्पियो गाड़ी

रोहतक। गांव चिड़ी में सरपंच का चुनाव हारे प्रत्याशी का लोगों ने सम्मान किया और उन्हें दो करोड़ ग्यारह लाख रुपये व एक स्कॉर्पियो भेंटकर भाईचारे की मिसाल कायम की।घ्इस अवसर पर हुए समारोह में खाप प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों के इस फैसले की सराहना की।घ्सम्मान समारोह में भंडारे का भी आयोजन किया गया था। गौरतलब है कि हाल ही में हुए पंचायत चुनाव में गांव चिड़ी में धर्मपाल ने सरपंच पद पर चुनाव लड़ा था और वे 66 मतों से नवीन दलाल से हार गये।घ्धर्मपाल की हार के बाद से गांव में अलग माहौल बन गया था और गांव में गुटबाजी होने लगी। जिसको देखते हुए चार दिन पहले गांव के मौजिज लोगों की पंचायत हुई, जिसमें निर्णय लिया कि धर्मपाल का बड़े स्तर पर सम्मान किया जाएगा, भले ही वे चुनाव हार गये, ताकि गांव में भाईचारा बने रहे। इसके बाद ग्रामीण सम्मान समारोह के लिए जुट गए और दो करोड़ ग्यारह लाख रुपये एकत्रित किये। साथ ही ग्रामीणों के लिए भोज की भी व्यवस्था की गई। शुक्रवार को तय कार्यक्रम के अनुसार गांव में सम्मान समारोह आयोजित किया गया और धर्मपाल को नकद दो करोड़ ग्यारह लाख रुपये और एक स्कॉर्पियो गाड़ी भेंट की।

बेटी की सगाई को लेकर सोशल मीडिया पर मुस्लिम ट्रोलर्स आमिर खान को दे रहे हैं गाली

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता आमिर खान की बेटी आयरा खान ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड नुपुर शिखरे से सगाई कर ली है। नुपुर सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर हैं और लंबे समय से आयरा खान को डेट रहे थे। दोनों अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी ओपन थे, जिसमें अब वो आगे बढ़कर सगाई तक पहुंच गए हैं। कपल की सगाई की कई वीडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। इस बीच बेटी की सगाई को लेकर मुस्लिम यूजर्स आमिर खान को ट्रोल करने में लगे हुए हैं।

आमिर खान की बेटी आयरा खान की एक हिंदू लड़के से सगाई होने के बाद ट्रोल्स ने एक्टर को लेकर सारी हदें पार कर दी है। ट्रोलर्स आमिर खान को गाली दे रहे हैं। दरअसल आयरा और नूपुर ने मुंबई में सगाई की। जैसे ही आयरा और नुपुर की सगाई की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे मुस्लिम यूजर्स आमिर खान को लेकर काफी बुरा-बुरा कहने लगे। अपनी मुस्लिम बेटी की हिंदू लड़के से सगाई करने पर आमिर खान ट्रोलर्स के निशाने पर आ चुके हैं। एक यूजर मसाब खान ने तो कमेंट करते उनको गाली देते हुए नाम बदलने तक के लिए बोल दिया।

एक यूजर्स मोहम्मद अरशद रजा ने कहा कि आमिर खान फिल्म श्गजनीश में एक्टिंग करने के बाद इस्लाम के कायदों को भूल गए हैं। भारतीय मुसलमान नाम से मुसलमान हैं...लेकिन शादी दूसरे धर्म में करते हैं। मुश्ताक नाम के यूजर ने लिखा, श्तुम्हें अल्लाह का कहर का सामना करने दो। ऐसे ही एक यूजर ने लिखा कि यह रिवर्स लव-जिहाद का मामला था।

विधि विधान के साथ बंद हुए बद्रीनाथ धाम के कपाट

विशेष संवददाता

बद्रीनाथ धाम। बीते 5 दिनों से चल रही कपाट बंद होने की पंच पूजा के बाद आज अंतिम दिन पूजा-पाठ और मंत्रोंच्चारण के साथ भगवान बद्रीनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस अवसर पर धाम की फूलों से भव्य सजावट की गई थी तथा धाम पहुंचे हजारों श्रद्धालु इस अवसर के साक्षी बने।

तय समय के अनुसार भगवान बद्रीनाथ मंदिर के कपाट आज सांय 3.30 बजे बंद किए गए और भगवान बद्रीनाथ की चल विग्रह डोली अपने शीतकालीन प्रवास के लिए जोशीमठ के लिए रवाना हो गई है। कपाट बंद होने से पूर्व भगवान बद्रीनाथ

❑चारधाम यात्रा का समापन

की विशेष पूजा अर्चना की गई। माणा गांव की महिला मंगल दल द्वारा तैयार किया गया कंबल भगवान बद्री विशाल को ओढ़ाया गया। मंदिर परिसर और सिंह द्वार को 15 क्विंटल गेंदे के फूलों से सजाया गया था।

16 नवंबर को शुरू हुई कपाट बंद करने की प्रक्रिया के दौरान पहले दिन भगवान गणेश के मंदिर के कपाट बंद किए गए थे इसके बाद आदि केदारेश्वर और आदि गुरु शंकराचार्य के मंदिर के कपाट बंद किए गए। बीते कल मुख्य पुजारी रावल ईश्वरी प्रसाद नम्बूदरी द्वारा मां लक्ष्मी को गर्भ ग्रह में लाया गया। आज विशेष पूजा अर्चना के बाद 3.30 बजे विधि विधान से मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए और भगवान बद्रीनाथ की चल विग्रह डोली अपने शीतकालीन प्रवास के लिए जोशीमठ के लिए रवाना हो गई।

आज भगवान बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ चार धाम यात्रा का भी समापन हो गया। इस साल 17.50 लाख से अधिक श्रद्धालु बद्रीनाथ धाम पहुंचे।

मारपीट में तीन के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार वाणी विहार रायपुर निवासी सूरज रावत ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह जैन प्लाट के पास खडा था तभी वहां पर अधोईवाला निवासी साजिद खान, वाजिद खान व वसीम आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोग वहां पर आये तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जिला बदर किये तीन पेशेवर बदमाश

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जनपद हरिद्वार में बदमाशों पर कठोर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तीन पेशेवर बदमाशों को जिलाबदर कर दिया है। आरोपी आदतन अपराधी है जिनसे समाज की सौहार्द को खराब होने का खतरा बना रहता है।

जानकारी के अनुसार थाना भगवानपुर पुलिस ने आदतन अपराधी अबरार पुत्र नईम निवासी सिकंदरपुर थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार, संजू पुत्र सतपाल निवासी सिकरोड़ा थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार, आबाद पुत्र दिलशाद निवासी सिकंदरपुर थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार,को गुंडा अधिनियम के तहत जिला बदर करने सम्बन्धित पत्रावली प्रेषित की गई थी।

जिसके परिपेक्ष में अपर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा आरोपी अबरार, संजू व आबाद को गुण्डा अधिनिमय के तहत एक माह के लिए जनपद की सीमाओं से बाहर रखे जाने और बिना न्यायालय के अनुमित के जनपद हरिद्वार की सीमाओं में प्रवेश न करने के आदेश दिये गये थे। जिसके बाद थाना भगवानपुर पुलिस ने आज आबाद, संजू व अबरार को जनपद हरिद्वार के मंडावर, काली नदी बॉर्डर से जनपद सहारनपुर भेजते हुए जिला बदर करने की कार्यवाही की गई है।

आधी-अधूरी तैयारी के साथ बैठक में उपस्थित होने वाले अधिकारी के विरुद्ध होगी आवश्यक कार्यवाही

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास विभाग मंत्री गणेश जोशी की अध्यक्षता में हरिद्वार स्थित सीसीआर भवन सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आहुत की गई।

बैठक में अधिकारियों द्वारा स्पष्ट जवाब नहीं दिये पर कृषि मंत्री ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि आधी-अधूरी तैयारी के साथ समीक्षा कर पाना सम्भव नहीं है जिस कारण बैठक स्थगित की जाती है। उन्होने कहा कि समीक्षा बैठक को लेकर पृथक से तिथि निर्धारित की जायेगी जिसमें सभी जिला स्तरीय अधिकारी पूरी तैयारी के साथ उपस्थित होंगे। स्पष्ट किया कि आगामी बैठक में आधी-अधूरी तैयारी के साथ बैठक में उपस्थित होने वाले अधिकारी के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

बैठक में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतिश्वरानन्द, रोशम बोर्ड के अध्यक्ष चौधरी अजीत सिंह, अपर जिलाधिकारी बी0एस0 बुधियाल, पी0डी0 डीआरडीए विक्रम सिंह, डीडीओ वेद प्रकाश, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नन्दनी ध्यानी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जानलेवा हमले में चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। जान से मारने का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैरागीवाला निवासी दिलशाना पत्नी मौहम्मद राशिद ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पडोस में रहने वाले जाबिर, साबिर, आबिद व आजम पुत्र शहीद गुज्जर उनके घर में घुस आये और उसके परिवार वालों के साथ मारपीट करते हुए जब वह परिवार वालों को बचाने का प्रयास कर रही थी तभी उक्त हमलावरों ने उसको जान से मारने की नियत से उसके सिर पर वार कर उसको घायल कर दिया। पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दीं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।